

कोकी स्त्री. (तत्.) चकवी, चक्रवाकी।

कोकीन स्त्री. (अं.) कोका नामक वृक्ष की पत्तियों से तैयार की हुई एक प्रकार की औषध, जो गंधहीन और सफेद रंग की होती है।

कोकेनची पुं. (तत्.) मादक द्रव्य की भाँति कोकेन का उपयोग करने वाला।

कोको पुं. (अं.) 1. ताड़वृक्ष के आकार का एक पेड़ जिसके बीज के चूर्ण से बनाया हुआ पेय पीने के उपयोग में लाया जाता है 2. कौआ, बच्चों को बहकाने का शब्द।

कोकोजम पुं. (अं.) साफ करके जमाया हुआ नारियल का तेल जिसका उपयोग घी के स्थान पर होता है।

कोकोजेम पुं. (अं.) दे. कोकोजम।

कोख पुं. (तद्.) 1. उदर पेट 2. पसलियों के नीचे, पेट के दोनों बगल का स्थान 3. गर्भाशय मुहा. कोख लगना या सटना- पेट खाली रहने या बहुत अधिक भूख लगने के कारण पेट अंदर धंस जाना; कोख उजड़ना- संतान मर जाना, गर्भ गिर जाना; कोख बंद होना- बंध्या होना, संतति उत्पन्न करने योग्य न होना; कोख से ठंडी या भरी पूरी रहना- बालक और पति का सुख देखते रहना; कोख मारी जाना- संतान उत्पन्न करने योग्य न होना, बांझपन होना।

कोख जत्नी स्त्री. (तद्.) जिसको संतान उत्पन्न न हो या जिसकी संतान जीवित न रहती हो।

कोच पुं. (अं.) 1. एक प्रकार की चौपहिया घोड़ागाड़ी 2. गद्देदार, बढ़िया पलंग, बेंच या आरामकुर्सी पुं. (देश.) वह लंबी छड़ जिसकी सहायता से भट्ठे में से ढले हुए बरतन निकाले जाते हैं।

कोचना स.क्रि. (तद्.) धँसाना, चुभाना, बारबार किसी को तंग करना।

कोचनी स्त्री. (देश.) 1. लोहे का एक छोटा औजार जो सुई के आकार का होता है और जिससे तलवार की म्यान के ऊपर का चमड़ा सिला जाता

है 2. बैल हाँकने की छड़ी, पैना 3. काँचने की कोई वस्तु।

कोचबकस पुं. (देश.) घोड़ा गाड़ी में हाँकने वाले के बैठने की जगह।

कोचवान पुं. (अं.+फ़ा) घोड़ागाड़ी हाँकने वाला।

कोचा पुं. (देश.) 1. तलवार या छुरी का हलका घाव जो पार न हुआ हो 2. लगती हुई बात, चुटीली बात, ताना, व्यंग्य।

कोची पुं. (देश.) बबूल की तरह का एक जंगली पेड़ जिसकी छाल और पत्तियाँ प्रायः औषध के काम आती हैं, वनरीठा, शिकाकाई।

कोचीन पुं. (देश.) भारत के दक्षिण भाग में केरल राज्य का एक महत्वपूर्ण नगर।

कोजागर पुं. (तत्.) आश्विन मास की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा।

कोजागरी वि. (तद्.) कोजागर के पर्व वाला, कोजागर या आश्विन पूर्णिमा संबंधी, शरद पूर्णिमा की रात।

कोट पुं. (अं.) 1. अंग्रेजी ढंग का एक पहनावा जो कमीज के ऊपर पहना जाता है (तत्.) 2. दुर्ग, गढ़, किला 3. शहरपनाह, प्राचीर 4. राजमंदिर, महल 5. छप्पर, झोपड़ा 6. दाढ़ी 7. कुटिलता।

कोटपतलून पुं. (अं.) साहबी पहनावा, यूरोपीय पोशाक।

कोटर पुं. (तत्.) 1. पेड़ का खोखला भाग 2. कोट के आसपास का वह कृत्रिम वन जो रक्षा के लिए लगाया जाता है।

कोटर पुष्पी स्त्री. (तत्.) विधारा नामक वृक्ष।

कोटरी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा, चंडिका, काली 2. बाल खोले हुए नग्न स्त्री।

कोटा पुं. (अं.) वह निर्धारित अंश जो किसी को देने या लेने के लिए हो।

कोटि वि. (तत्.) सौ लाख की संख्या, करोड़ स्त्री. (तत्.) 1. धनुष का सिरा, कमान का कोना 2. किसी अस्त्र की नोक या धार 3. वर्ण, श्रेणी,